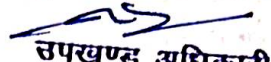
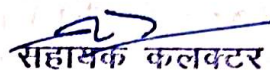




1.8.25 पत्रावली पेश इडी चकील पक्षकार उपस्थित।
पत्रावली गत अतिरिक्त दिनांक 20.6.25
की पावन के दिनांक 22.8.2025 को
पेश हो।


उपखण्ड अधिकारी
शिवगंज (सिराही)

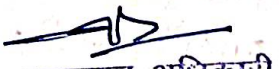
22/8/25 पत्रावली पेश इडी पत्रावली वाले गत अतिरिक्त
दिनांक 20.6.2025 की पावन के दिनांक 12/9/25
को पेश हो।


सहायक कलक्टर
शिवगंज (सिराही)

12/9/25 पक्षकारान अधिवक्ता उपस्थित।
आज साहब 15.10.25 को पेश हो।
अतः पत्रावली इतना होकर आयन्दा
दिनांक 26.9.25 को पेश हो।


26/9/25 पक्षकारान अधिवक्ता उपस्थित।
आज साहब आज को पेश हो।
अतः पत्रावली इतना होकर आयन्दा
दिनांक 15.10.25 को पेश हो।


15.10.25 पत्रावली पेश इडी चकील पक्षकार उपस्थित।
अपीलेंट अधिवक्ता को इनका न्यायालय के
स्वगन रिपोर्ट पेश करने हेतु कई अवसर
दिये जाने के बावजूद भी ^{अतिरिक्त} पेश नहीं करने
अपीलेंट अधिवक्ता को स्वगन रिपोर्ट पेश करने
हेतु अतिरिक्त अवसर दिए जाने पत्रावली
दिनांक 2.11.2025 को पेश हो।


उपखण्ड अधिकारी
शिवगंज (सिराही)

07.11.25 पत्रावली पेश हुई अपीलेंट अधिवक्ता अनुपस्थित व
इनकी ओर के इनके अनिष्ट अधिवक्ता उपस्थित।
रिपोर्ट अधिवक्ता उपस्थित। अपीलेंट अधिवक्ता
को गत अतिरिक्त दिनांक 15.10.2025 के बाद
उक्त पत्रावली के वादग्रस्त अरानी में अन्य न्यायालय
का स्वगन होने का उमान पेश करने हेतु अतिरिक्त
अवसर दिये जाने के बावजूद व पूर्व में भी स्वगन
आवेदन पेश करने हेतु कई अवसर दिये जाने के
बावजूद भी स्वगन रिपोर्ट पेश नहीं करने के
पत्रावली में रिपोर्ट अधिवक्ता की एकतरफा बयान
सुनी गई।

— लगातार —

हमने अपीलोट द्वारा प्रस्तुत अपील व
 श्लोटे अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का
 अध्ययन व वक्त पर मनन किया तो हम इस
 निष्कर्ष पर पहुंचे कि वादग्रस्त कृषि आराजी के
 संबंध में इस न्यायालय में मूल विचारणीय
 पत्रावली के प्रकरण सं- 126/2012 सुमित्रापुषी
 व अन्य बनाम मंत्रपुरी व अन्य अन्तर्गत धाप
 88, 89, 53, 188 राजा कार्तिकारी अधिनियम
 1955 के निर्णय दिनांक 04.04.2023 के द्वारा
 उक्त वादग्रस्त आराजी श्रुति भौजा बागान स्थित
 शिवगंज जिला सिरोही के खसप नंबर 31/1
 रकबा 2-10 बीघा व खसप नंबर 33/1 रकबा
 12-10 बीघा कुल रकबा 15-00 बीघा के संबंध
 में प्रस्तुत वाद अन्तर्गत धारा 88, 89, 188, 53
 राजस्थान कार्तिकारी अधिनियम 1955 बाबर
 खालेदार दौक्या व विभाजन व सार्वकालिक निषेधाज्ञा
 का वाद अन्तर्गत आदेश 3 नियम 11 सप. धारा
 15। तीरीनी के आधार पर खारिज किया जा चुका है
 जिसमें इस न्यायालय व माननीय उच्च न्यायालय
 जोषट्ट द्वारा उक्त वादग्रस्त कृषि आराजी श्रुति
 मंत्रपुरी की पुरतनी सम्पत्ति (Ancestral Property)
 नहीं मानकर self acquired Property मानकर खारिज
 की है। साथ ही पत्रावली में संलग्न दस्तावेजों के
 अवलोकन से भी यह स्पष्ट है कि अपील में वर्णित
 खसप नंबर पर किसी अन्य न्यायालय का
 स्थगन नहीं पाया गया। अतः अपीलोट अधिवक्ता
 द्वारा प्रस्तुत अपील सारहीन होने से खारिज
 की जाती है। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया
 पत्रावली फौजल सुगाट डेक नं. से कम है।

— व. प.

7.11.23
 उपखण्ड अधिकारी
 शिवगंज (सिरोही)